ग़ज़ल : अगर है प्यार मुझसे तो बताना भी ज़रूरी है

-मुहम्मद आसिफ़ अली
स्वतन्त्र लेखन, न्यूज़ पेपरों एवं मैग्जीन्स में कविता, लघुकथा, कहानियां, आलेख ,साहित्य एवं सिनेमा में गहरी रुचि
https://sahityacinemasetu.com/ghazal-agar-hai-pyar-mujhse-to-batana-bhi-zaruri-hai/

अगर है प्यार मुझसे तो बताना भी ज़रूरी है
दिया है हुस्न मौला ने दिखाना भी ज़रूरी है

इशारा तो करो मुझको कभी अपनी निगाहों से
अगर है इश्क़ मुझसे तो जताना भी ज़रूरी है

अगर कर ले सभी ये काम झगड़ा हो नहीं सकता
ख़ता कोई नज़र आए छुपाना भी ज़रूरी है

अगर टूटे कभी रिश्ता तुम्हारी हरकतों से जब
पड़े कदमों में जाकर फिर मनाना भी ज़रूरी है

कभी मज़लूम आ जाए तुम्हारे सामने तो फिर
उसे अब पेट भर कर के खिलाना भी ज़रूरी है

अगर रोता नज़र आए कभी मस्जिद या मंदिर में
बड़े ही प्यार से उसको हँसाना भी ज़रूरी है